

मुजफ्फरपुर

हत्या और लूट से अशांत रहा कांटी क्षेत्र

सम्राट कुमार

कांटी। बीते वर्ष 2002 में कांटी प्रखंड क्षेत्र में घटनाएं घटीं। हत्या, लूट, दहेज प्रताड़ना सहित अपहरण एवं वाहन दुर्घटना से क्षेत्र अशांत रहा। जनप्रतिनिधियों के आपसी टकराव ने क्षेत्र में सामाजिकता एवं विकास की अवधारणा को ताक पर रख दिया। बीते वर्ष की प्रमुख आपराधिक घटनाओं में बिहार बंद के दौरान विधायक गुलाम जिलानी वारसी एवं कांटी विकास मंच के संस्थापक अजीत कुमार के समर्थकों के बीच टकराव, मुखिया गिरिधर पांडे एवं वार्ड सदस्य के बीच लूटपाट, अमरदीप पेट्रोल पंप लूटकांड, मुखिया सूर्यदेव सिंह द्वारा समिति सदस्या अंशु सिन्हा के पति को जालसाजी में फंसाया जाना, हत्या कर फेंकी गयी अज्ञात लाशों का मिलना क्षेत्र में सनसनी फैलाये रहा।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार कांटी थाना क्षेत्र में वर्ष 2002 में 14 हत्या, 22 वाहन दुर्घटनाएं, 15 दहेज प्रताड़ना, 34 चोरी, 7 हरिजन अत्याचार, 6 लूट, 8 अपहरण, 5 दंगा, 1 भीषण दंगा, 4 डकैती, 2 ठगी, 3 गृहभेदन, 2 बलात्कार, 3 उत्पाद अधिनियम, 3 नारकोटिक्स, 1

वर्ष 2002 में कांटी प्रखंड का हाल

आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं अन्य 145 घटनाएं घटित हुयीं। वही कई फरार एवं दर्जनां कांड के अभियुक्त सज्जाद अली, राजीव पांडे, दुर्गा पासवान, राजनन्दन राम आदि कुख्यात अपराधकर्मी गिरफ्तार किए गये। वर्ष 2001 की तुलना में वर्ष 2002 में 4 हत्या, 1, डकैती, 5 लूट की अधिक घटनाएं घटी। जबकि गृहभेदन, चोरी एवं दंगा की घटनाएं कम हुईं। चर्चित अन्य मामलों में शराब व्यवसायी ललन चौधरी की मोटरसाइकिल छीनने के दिनदहाड़े प्रयास में सोनवर्षा के पास एक अपराधी को स्थानीय लोगों द्वारा पीट-पीटकर हत्या, सुगौली के पूर्व विधायक चन्द्रशेखर दूबे के कांटी स्थित विद्यालय चन्द्रशील विद्यापीठ में छात्रों की पिटाई, कपरपुरा गांव में एक पुत्र द्वारा मां पर सम्पत्ति के लोभ में तेजाब डालना प्रमुख है। राजनीतिक जोड़-तोड़ के महारथी समझे जाने वालों के लिए यह वर्ष खट्टा-मीठा रहा। वर्ष के मध्य में राजनीतिक माहौल में अचानक प्रमुख के अविश्वास के साथ गरमाहट आयी। किंतु न्यायालय के आदेश के कारण विपक्षियों को मुंह की खानी पड़ी। जबकि विरोध की राजनीति के कारण बिना चर्चा के ही नगर पंचायत के अध्यक्ष पद पर एक ऐसा सख्श आसीन हो गया जो अकल्पनीय रहा। इसी दरम्यान सभी दलों द्वारा सदस्यता अभियान चलाए जाने के पूर्व समता पार्टी द्वारा विद्युत आपूर्ति के लिए आन्दोलन के दौरान समता नेताओं की थर्मल पावर के सुरक्षाकर्मियों द्वारा जमकर हुयी पिटायी पर काफी हल्ला-हंगामा हुआ। घात-प्रतिघात में गुजरा एक वर्ष कांटी प्रखंड के लिए राजनीतिक जीत-हार का सबब बना रहा। राजद और गैर राजद के समीकरण पर पंचायती राज का समीकरण भारी पड़ा। जन प्रतिनिधियों के अहं के टकराव से जहां थानों में करीब दो दर्जन से अधिक प्राथमिकी दर्ज हुई। प्रखंड के दो महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रमों में जहां एकमें एंटी राजद की जीत हुई वहीं दूसरे में हार। अप्रैल माह में राजद विरोधी दलों के नेताओं ने नगर पंचायत का अध्यक्ष अपनों को बनवाने में सफलता पा ली।

मुजफ्फरपुर

हत्या और लूट से अशांत रहा कांटी क्षेत्र

सम्राट कुमार

कांटी। बीते वर्ष 2002 में कांटी प्रखंड क्षेत्र में घटनाएं घटीं। हत्या, लूट, दहेज प्रताड़ना सहित अपहरण एवं वाहन दुर्घटना से क्षेत्र अशांत रहा . जनप्रतिनिधियों के आपसी टकराव ने क्षेत्र में सामाजिकता एवं विकास की अवधारणा को ताक पर रख दिया।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार कांटी थाना क्षेत्र में वर्ष 2002 में 14 हत्या, 22 वाहन दुर्घटनाएं, 15 दहेज प्रताड़ना, 34

चोरी, 7 हरिजन अत्याचार, 6 लूट, 8 अपहरण, 5 दंगा, 1 भीषण दंगा, 4 डकैती, 2 ठगी, 3 गृहभेदन, 2 बलात्कार, 3 ´उत्पाद अधिनियम, 3 नारकोटिक्स,

1

ललन चौधरी की मोटरसाइकिल छीनने के दिनदहाड़े प्रयास में सोनवर्षा के पास एक अपराधी को स्थानीय लोगों द्वारा पीट-पीटकर हत्या, सुगौली के पूर्व विधायक चन्द्रशेखर दूबे के कांटी स्थित विद्यालय चन्द्रशील विद्यापीठ में छात्रों की पिटाई, कपरपुरा गांव में एक पुत्र

बीते वर्ष की प्रमुख आपराधिक वर्ष 2002 में कांटी प्रखंड का हाल

घटनाओं में बिहार बंद के दौरान विधायक गुलाम जिलानी वारसी एवं कांटी विकास मंच के संस्थापक अजीत कुमार के समर्थकों के बीच टकराव, मुखिया गिरिधर पांडे एवं वार्ड सदस्य के बीच लूटपाट, अमरदीप पेट्रोल पंप लूटकांड, मुखिया सूर्यदेव सिंह द्वारा समिति सदस्या अंशु सिन्हा के पति को जालसाजी में फंसाया जाना, हत्या कर फैंकी गयी अज्ञात लाशों का मिलना क्षेत्र में सनसनी फैलाये रहा।

आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं अन्य 145 घटनाएं घटित हुयीं। वही कई फरार एवं दर्जनां कांड के अभियुक्त सज्जाद अली, राजीव पांडे, दुर्गा पासवान, राजनन्दन राम आदि कुख्यात अपराधकर्मी गिरफ्तार किए गये। वर्ष 2001 की तुलना में वर्ष 2002 में 4 हत्या, 1, डकैती, 5 लूट की अधिक घटनाएं घटी। जबकि गृहभेदन, चोरी एवं दंगा की घटनाएं कम हुई। चर्चित अन्य मामलों में शराब व्यवसायी

द्वारा मां पर सम्पत्ति के लोभ में तेजाब डालना प्रमुख है। राजनीतिक जोड़- तोके महारथी समझे जाने वालों के लिए यह वर्ष खट्टा-मीठा रहा । वर्ष के मध्य में राजनीतिक माहौल में अचानक प्रमुख के अविश्वास के साथ गरमाहट आयी। किंतु न्यायालय के आदेश के कारण विपक्षियों को मुंह की खानी पड़ी। जबकि विरोध की राजनीति के कारण बिना चर्चा के ही नगर पंचायत के अध्यक्ष पद पर एक

•

4

ऐसा सख्श आसीन हो गया जो अकल्पनीय रहा। इसी दरम्यान सभी दलों द्वारा सदस्यता अभियान चलाए जाने के पूर्व समता पार्टी द्वारा विद्युत आपूर्ति के लिए आन्दोलन के दौरान समता नेताओं की थर्मल पावर के सुरक्षाकर्मियों द्वारा जमकर हुयी पिटायी पर काफी हल्ला-हंगामा हुआ। घात-प्रतिघात में गुजरा एक वर्ष कांटी प्रखंड के लिए राजनीतिक

I

जीत-हार का सबब बना रहा। राजद और गैर राजद के समीकरण पर पंचायती राज का समीकरण भारी पड़ा। जन प्रतिनिधियों के अहं के टकराव से जहां थानों में करीब दो दर्जन से अधिक प्राथमिकी दर्ज हुई। प्रखंड के दो महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रमों में जहां एकमें एंटी राजद की जीत हुई वहीं दूसरे में हार। अप्रैल माह में राजद विरोधी दलों के नेताओं ने नगर पंचायत का अध्यक्ष अपनों को बनवाने में सफलता पा ली।